मेले के समापन समारोह में आज सीएम मनोहरलाल होंगे मुख्यातिथि

देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किसान वर्ग की अहम भूमिका : कृषि मंत्री

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि मेले को राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है।

कुलपति ने मेले की गतिविधियों से कराया अवगत

हकृवि कृषि विकास मेले में दो दिन में 1.41 लाख किसान हुए शामिल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10-10-23	4	2-8

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने में किसानों की अहम भूमिका

कृषि विकास मेले के दूसरे दिन कृषि मंत्री जेपी दलाल ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत, बोले- किसान मेले का और भी विस्तार किया जाएगा

सफल किसानों को किया गया सम्मानित

मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए प्रयासरत

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुसमाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.10.23	4	6-8

दो दिन में 1.64 करोड़ के रबी फसलों के बीजों की खरीद

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 में दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दो दिन में हरियाणा सहित दिल्ली, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1.41 लाख किसान शामिल हुए। दो दिन में किसानों ने करीब 1.64 करोड़ रुपये के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिश शुदा किस्मों के प्रमाणित बीज व 61 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे।

हरियाणा कृषि विकास मेले से बीज लेकर जाते किसान। • जागरण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि किसानों में बीज की काफी ज्यादा मांग है। किसानों को बीज उपलब्ध करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 1.55 लाख रुपये के जैव उर्वरक तथा 75 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लाट दिखाए जा रहे हैं तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने व फसल लागत कम करने संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने कुल 762 नमूने टेस्ट करवाए। संयुक्त निदेशक विस्तार डा. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में पिछले वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए 350 स्टाल लगाए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-10.23	3	1-4

कृषि मेले का दूसरा दिन

'खेती में आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं किसान'

हिसार, 9 अक्तूबर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 में सोमवार को दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दो दिन में हरियाणा सहित दिल्ली, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों के किसान शामिल हुए। इस मेले के दौरान किसानों ने खेती की नई तकनीकों को जाना और नई मशीनरी कैसे खेती में लाभकारी बने इसकी जानकारी भी ली। मेले में शामिल हुए किसानों का कहना है, जिस प्रकार से मौसम में बदलाव आ रहा है और जोत छोटी होती जा रही है उसको देखते हुए खेती को बचाने के लिए नई तकनीक से आगे बढ़ा जा सकता है। अच्छी क्वालिटी की फसल के लिए नई तकनीक अपनाना जरूरी है। फसल की क्वालिटी अच्छी होगी तो दाम भी उसके हिसाब से मिलेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार मेले के पहले दो दिन में किसानों ने करीब 1.64 करोड़ रुपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 61 हजार रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए जा रहे हैं तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने व फसल लागत कम करने संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है।

कृषि मेले में ट्रैक्टर पर सवार कृषि मंत्री जे.पी.दलाल, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा व अन्य।

प्राकृतिक खेती सहित अन्य विषयों पर दी जानकारी, निकाले इनाम

मेले में दूसरे दिन मिलेट एक सुपर फूड और प्राकृतिक खेती विषय पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिसमें डॉ. हरिओम, डॉ. देवव्रत, डॉ. मीना सांगवान, डॉ. पम्मी और डॉ. उमेंद दत्त ने अपने-अपने विषयों पर जानकारी दी।

इस दौरान लक्की ड्रा द्वारा 4 किसानों को इनाम दिए गए, जिनमें प्रथम इनाम छोटा ट्रैक्टर फतेहाबाद निवासी बलजीत सिंह को प्रदान किया गया, द्वितीय इनाम लैंड लेवलर फतेहाबाद के गांव नाढ़ोड़ी निवासी हरविंदर, तृतीय पुरस्कार सुपर सीडर जींद के गांव साडेवाल निवासी राकेश कुमार व चौथा पुरस्कार पावर वीडर रेवाड़ी के गांव धाइना निवासी जयवीर को मिला। मेले के दूसरे दिन मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल ने 6 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, जिनमें नारनौल निवासी ओमप्रकाश, सोनीपत निवासी सुमित, फतेहाबाद निवासी जगजीवन, रेवाड़ी निवासी उदमीराम, पानीपत निवासी जितेंद्र और नूंह निवासी हनीफ शामिल हैं। इस दौरान रणबीर सिंह खरकड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, मेला अधिकारी मीनू धनखड़ व अन्य अधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.10.23	4	3-6

कृषि मेले का दूसरा दिन • प्रदेश के कृषि मंत्री ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

किसान तकनीक देख जल्द सीखता है मेले का किया जाएगा विस्तार : दलाल

भास्कर न्यूज | हिसार

किसान देखकर तकनीक को जल्दी सीखता है। दुनिया के अंदर क्या चल रहा है? अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार आ रही नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए भविष्य में इस किसान मेले का और विस्तार किया जाएगा। यह बात कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कृषि मेले के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि खेतीबाड़ी को व्यापार से जोड़ना होगा ताकि किसान आत्मनिर्भर बनें और रोजगार पैदा करें। सरकार एफपीओ के माध्यम से किसानों के ग्रुप बनाकर देश में 10 हजार एफपीओ बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है, ताकि इनसे बने पौष्टिक आहार के सेवन से किसानों व आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

किसानों के सवाल रखते हैं नए अनुसंधानों के लिए प्रेरित : प्रो. काम्बोज एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विवि 8 लाख किसानों से मोबाइल एप के माध्यम से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इसी कड़ी में मौसम विज्ञान विभाग इन किसानों तक मौसम की पूर्वानुमान जानकारी लगातार पहुंचा रहा है, जिससे किसानों को सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन, कीटनाशकों का छिड़काव व अन्य कृषि क्रियाएं समय पर करने से संबंधित निर्णय लेने में मदद मिल रही है। पशुपालन विभाग के चेयरमैन धर्मबीर मिर्जापुर ने भी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी किसानों को दी।

हिसार | एचएयू कृषि मेला में ड्रोन टेक्निक को देखते कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल व अन्य।

छह प्रगतिशील किसान सम्मानित

मेले के दूसरे दिन मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल ने 6 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, जिनमें नारनौल के [illegible], सोनीपत के सुनिल, फतेहाबाद के जगजीवन, रेवाड़ी के उदमीराम, पानीपत के जितेंद्र और नूंह के हनीफ शामिल हैं। मेले में मिलेट एक सुपर फूड और प्राकृतिक खेती विषय पर विभिन्न सत्र आयोजित किए, जिसमें डॉ. हरिओम, डॉ. देवव्रत, डॉ. वीना मानकर, डॉ. पम्मी और डॉ. उमेद दत्त ने अपने-अपने विषयों पर जानकारी दी। कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने धन्यवाद पारित किया। इस दौरान शमशेर सिंह खरकड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, मेला अधिकारी मीनू धनखड़ मंच पर उपस्थित रहे।

मेले में दो दिन में 1.41 लाख किसान हुए शामिल खरीदे 1.64 करोड़ रुपए के रबी फसलों के बीज

हरियाणा कृषि विकास मेला में हरियाणा सहित दिल्ली, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1.41 लाख किसान शामिल हुए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मेले के पहले दो दिन में किसानों ने करीब 1.64 करोड़ रुपए के रबी फसलों व सब्जियों के बीज खरीदे हैं। करीब 61 हजार रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीज के अलावा किसानों ने 1.55 लाख रुपए के जैव उर्वरक तथा 75 हजार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने कुल 762 नमूने टेस्ट करवाए। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों को विवि के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए जा रहे हैं। मेले में 350 स्टॉलें लगाई गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.10.23	5	1-4

कृषि विकास मेले के दूसरे दिन कृषि मंत्री ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत

देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिए किसान वर्ग की अहम भूमिका : दलाल

हिसार, 9 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा कि किसान वर्ग को कृषि के साथ-साथ इससे संबंधित अन्य व्यवसाय अपनाने होंगे और वर्तमान समय के अनुरूप अपने उत्पादों की मार्केटिंग करनी होगी। इससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी और अधिक मज़बूती मिलेगी। कृषि मंत्री सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के दूसरे दिन बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, फतेहाबाद के विधायक दुड़ा राम ने भी मेले में शिरकत की और किसानों के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि मेले को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि छोटी हो चुकी जोत के लिए आधुनिक तकनीक, आधुनिक बीज व विधियों से ही उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। 400-500 एकड़ का एक क्लस्टर बनाकर खेती करने से खर्च घटेगा और फसल उत्पादों को उच्च दाम भी मिलेगा। मेले से अभी तक लगभग 14 हजार किसानों द्वारा गेहूं, सरसों व अन्य फसलों के उन्नत किस्म के बीजों को खरीद की जा चुकी है। कृषि मंत्री ने कहा कि नकली बीज, खाद व दवाई बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ सरकार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के अथक प्रयासों से प्रदेश में 27 हजार एकड़ लवण प्रभावित भूमि को खेती योग्य बनाया गया है। दक्षिण हरियाणा के जिलों में जल संरक्षण से जुड़ी तकनीकों जिसमें टपका सिंचाई व फव्वारा सिंचाई के लिए सब्सिडी योजनाएं संचालित की गई हैं। 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से एशिया की सबसे बड़ी मंडी सोनीपत के गन्नौर में निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि किसानों को घर द्वार पर ही पशुओं से संबंधित चिकित्सा सहायता को उपलब्ध करवाया जाएगा। पशुपालन विभाग द्वारा भी किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। कृषि मेले में पशुपालन, बागवानी, मछली पालन, खारे पानी में झींगा उत्पादन, प्राकृतिक व जैविक खेती, सब्जी, मशरूम व मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में अलग-अलग राज्यों व जिलों के सफल किसानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने कहा कि कृषि विकास मेला आधुनिक तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने में काफी अहम साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसान कृषि उत्पादों के व्यापार के द्वारा, कृषि उत्पादों में मूल्य वृद्धि कर अपनी तरक्की सुनिश्चित करें। वर्तमान समय में किसान पुत्रों को नौकरी का लालच छोड़कर कृषि उत्पादों से संबंधित व्यापार व नई तकनीकों को सीखना होगा। किसान कृषि मेले में कृषि उत्पादन से संबंधित सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के दौरान उपस्थित जन को संबोधित करते हुए।